

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-841
उत्तर दिनांक 04/02/2026 को दिया गया

परमाणु ऊर्जा उत्पादन

841. श्री मनोज तिवारी
श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी
डॉ. संजय जायसवाल
श्री कृष्ण प्रसाद टेन्नेटी
डॉ. निशिकान्त दुबे
श्री यदुवीर वाडियार
डॉ. हेमंत विष्णु सवरा
श्रीमती कमलजीत सहरावत

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

- (क) पिछले दो वर्षों के दौरान कुल कितना परमाणु ऊर्जा उत्पादन किया गया है;
- (ख) चल रही और स्वीकृत परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं तथा पूर्व-परियोजना गतिविधियों के लिए स्वीकृत अतिरिक्त प्रेशराइज्ड हैवी वॉटर रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) इकाइयों की वर्तमान स्थिति क्या है;
- (ग) वर्ष 2032 तक और उसके बाद के लिए योजना के तहत निर्धारित लक्षित परमाणु क्षमता प्राप्त करने की दिशा में की गई प्रगति का ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या परमाणु ऊर्जा स्टेशनों में समय पर परियोजना निष्पादन, ग्रिड एकीकरण और बढ़ी हुई संयंत्र उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कोई उपाय किए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) क्या सरकार पालघर जिले में तारापुर पावर प्लांट के विस्तार और देश के समग्र परमाणु विस्तार लक्ष्यों का समर्थन करने वाली भविष्य की योजनाओं के साथ पुरानी इकाइयों के उन्नयन की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) पिछले दो वर्षों – वर्ष 2023-24 और 2024-25 में नाभिकीय विद्युत उत्पादन क्रमशः 47971 मिलियन यूनिट और 56681 मिलियन यूनिट रहा।
- (ख) विवरण निम्नानुसार है:

स्थल	परियोजना	क्षमता (मेगावाट)	भौतिक प्रगति
निर्माण/कमीशनन के अधीन परियोजनाएं			
राजस्थान	आरएपीपी-8	1 X 700	98.60
कुडनकुलम, तमिलनाडु	केकेएनपीपी -3 व 4	2 X 1000	80.51
	केकेएनपीपी-5 व 6	2 X 1000	41.56
गोरखपुर, हरियाणा	जीएचएवीपी-1 व 2	2 X 700	निर्माण कार्य प्रगति पर है।
पूर्व-परियोजना गतिविधियों के अधीन परियोजनाएं			
कैगा, कर्नाटक	कैगा-5 व 6	2 X 700	पूर्व-परियोजना गतिविधियां प्रगति के विभिन्न स्तरों पर हैं।
गोरखपुर, हरियाणा	जीएचएवीपी-3 व 4	2 X 700	
चुटका, मध्य प्रदेश	चुटका-1 व 2	2 X 700	
माही बांसवाड़ा, राजस्थान	माही बांसवाड़ा-1 व 2*	2 X 700	
	माही बांसवाड़ा-3 व 4*	2 X 700	

* माही बांसवाड़ा-1 व 2 और माही बांसवाड़ा-3 व 4 का कार्यान्वयन एनपीसीआईएल और एनटीपीसी के संयुक्त उद्यम, अश्विनी द्वारा किया जा रहा है।

विभिन्न परियोजनाओं में पूर्व-परियोजना गतिविधियां विभिन्न चरणों में चल रही हैं। ये गतिविधियां कैगा 5 और 6 में पूर्ण होने के निकट हैं।

इसके अलावा, भाविनि वर्तमान में कल्पाक्कम, तमिलनाडु में 500 मेगावाट प्रोटोटाइप द्रुत प्रजनक रिएक्टर (पीएफबीआर) परियोजना के कमीशनन का कार्य कर रही है। सरकार ने कल्पाक्कम, तमिलनाडु में एफबीआर 1 व 2 परियोजना की 2 X 500 मेगावाट की द्वि-यूनिटों के लिए पूर्व-परियोजना गतिविधियां संचालित करने हेतु अनुमोदन प्रदान कर दिया है। पीएफबीआर के प्रथम क्रांतिकता प्राप्त होने के उपरांत, एफबीआर 1 व 2 परियोजनाओं की वित्तीय मंजूरी के लिए सरकार से संपर्क किया जाएगा।

(ग) वर्ष 2032 तक लगभग 22 गीगावाट की क्षमता प्राप्त करने की दिशा में, पिछले दो वर्षों में केएपीपी 3 व 4 (2 X 700 मेगावाट) और आरएपीपी-7 (700 मेगावाट) के पूरा होने पर 2100 मेगावाट की क्षमता और बढ़ गई है, जिससे स्थापित क्षमता 8780 मेगावाट (आरएपीएस-1 को छोड़कर) हो गई है।

(घ) हां। परियोजना गतिविधियों की प्रगति की कई स्तरों पर सतत निगरानी, अवरोधों की समय पर पहचान और आवश्यक मध्यवर्ती सुधार करने, विक्रेताओं/ठेकेदारों के साथ नियमित बैठकें और निर्माण

गतिविधियों को यथासंभव पुनः अनुक्रमित करने से संबंधित कार्य, परियोजनाओं का कार्यान्वयन समय पर सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है। जहां तक संवर्धित संयंत्र उपलब्धता सुनिश्चित करने का संबंध है, नवीनतम तकनीक और उपकरणों का उपयोग करके स्वास्थ्य मूल्यांकन के आधार पर उपकरणों और घटकों के पूर्वानुमान और निवारक रखरखाव संबंधी कार्यक्रम और सेवाकालीन-निरीक्षण एनपीसीआईएल के प्रचालित बिजलीघरों में लागू है। एनपीसीआईएल की प्रचालन और अनुरक्षण पद्धतियों से, इसके रिएक्टरों के लंबे समय तक निरंतर प्रचालन अवधि का रिकॉर्ड सुनिश्चित हुआ है। एनपीसीआईएल के रिएक्टरों ने अब तक 54 बार एक वर्ष से अधिक निरंतर प्रचालन का रिकॉर्ड बनाया है।

(ड) हां। दो लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) अर्थात् बीएसएमआर-200 और एसएमआर-55 को तारापुर, महाराष्ट्र स्थल पर स्थापित करने की योजना है। इसके अलावा, तारापुर परमाणु बिजलीघर की यूनिटें 1 व 2 (टीएपीएस 1 व 2 – 2X160 मेगावाट), जिन्होंने 1969 में प्रचालन आरम्भ किया था और जो विश्व के सबसे पुराने रिएक्टर हैं, उनकी आयु और बढ़ाने के लिए वर्तमान में नवीनीकरण गतिविधियों के अधीन हैं और इन यूनिटों का विद्युत उत्पादन शीघ्र ही शुरू होने की आशा है।
